शिक्षकों के लिए डिजिटल साक्षरताः शिक्षा में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के लिए एनईपी 2020 का आह्वान

श्रीमती अनुपमा अम्बस्ट
व्याख्याता
शासकीय शिक्षा महाविद्यालय, शंकर नगर रायपुर, छत्तीसगढ

सारांश

प्रस्तुत शोध पत्र राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में दी गई दिशा–निर्देशों पर आधारित है, जिसमें शिक्षकों के लिए डिजिटल साक्षरता को महत्वपूर्ण माना गया है। एनईपी 2020 ने यह आह्वान किया है कि शिक्षकों को डिजिटल उपकरणों और तकनीकी संसाधनों के साथ सशक्त किया जाए ताकि वे अपनी पाठशाला में तकनीकी सुधार कर सकें और छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान कर सकें।

विषय की अवधारणा–

शिक्षकों के लिए तकनीकी कौशल और डिजिटल उपकरणों का ज्ञान आवश्यक है, ताकि वे शिक्षा के नए तरीकों को अपनाकर बच्चों की सीखने की क्षमता को बढ़ा सकें। शिक्षा में तकनीकी एकीकरण को बढ़ावा देना और शिक्षकों के प्रशिक्षण को नए डिजिटल कौशल से जोड़ना, जिससे वे अपनी पढ़ाई में तकनीकी संसाधनों का प्रभावी उपयोग कर सकें। एनईपी 2020 में यह प्रस्तावित किया गया है कि शिक्षकों को नियमित रूप से तकनीकी और डिजिटल कौशल पर प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि वे शैक्षिक परिवर्तनों से तालमेल बना सकें। यह शिक्षकों को समय की बचत करने, बेहतर प्रबंधन, और छात्रों की व्यक्तिगत जरूरतों के अनुसार शिक्षा देने में मदद करेगा। तकनीकी शिक्षा के माध्यम से गरीब और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले छात्रों तक शिक्षा की पहुंच बढ़ाना, ताकि सभी बच्चों को समान अवसर मिल सकें।

प्रस्तुत आलेख का उद्देश्य यह है कि शिक्षक डिजिटल उपकरणों के माध्यम से न केवल अपनी शिक्षा को समृद्ध करें, बल्कि बच्चों के लिए डिजिटल साक्षरता का मार्गदर्शन भी करें। एनईपी 2020 में जो आह्वान किया गया है, वह शिक्षकों के लिए एक नई दिशा प्रदान करता है, जिसमें प्रौद्योगिकी और नवाचार का उपयोग शिक्षा में सुधार लाने के लिए किया जाएगा।

अध्ययन के उद्देश्य–

प्रस्तुत शोध पत्र का उद्देश्य शिक्षकों को डिजिटल साक्षरता के महत्व को समझाना है और यह दिखाना है कि एनईपी 2020 के तहत शिक्षा में प्रौद्योगिकी का एकीकरण शिक्षकों के प्रशिक्षण और छात्रों की सीखने की प्रक्रिया को कैसे बेहतर बना सकता है। इस विषय के माध्यम से यह भी पता लगाया जाएगा कि शिक्षकों के लिए डिजिटल कौशल और प्रौद्योगिकी का प्रयोग कैसे शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने में सहायक हो सकता है, और एनईपी 2020 में दिए गए दिशा–निर्देशों का पालन करते हुए इसे किस तरह लागू किया जा सकता है।

शोध प्रश्न–

1. क्या एनईपी 2020 के दिशा–निर्देशों के अनुसार शिक्षकों के लिए डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने से शिक्षा में सुधार हो सकता है?
2. शिक्षकों के डिजिटल कौशल के स्तर में सुधार के लिए किस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रभावी हो सकते हैं?
3. शिक्षकों को डिजिटल साक्षरता से जोड़ने से छात्रों की शैक्षिक सफलता पर क्या प्रभाव पड़ता है?
4. शिक्षकों में प्रौद्योगिकी के एकीकरण के दौरान सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं, और इन्हें कैसे हल किया जा सकता है?
5. क्या प्रौद्योगिकी का उपयोग ग्रामीण और शहरी विद्यालयों में समान रूप से प्रभावी है, और इसके लिए क्या भिन्न दृष्टिकोण अपनाए जा सकते हैं?

शोध विधि –

इस अध्ययन के तहत, विभिन्न पत्रिकाओं, शोध पत्रों, और रिपोर्टों की समीक्षा की गई है जो एनईपी 2020 और डिजिटल साक्षरता के शिक्षा में प्रभाव के बारे में प्रकाशित हुई हैं।

सर्वेक्षण –

शिक्षकों और शिक्षा विशेषज्ञों (N=40) से एक प्रश्नावली के माध्यम से डेटा इकट्ठा किया गया है। यह सर्वेक्षण डिजिटल साक्षरता के वर्तमान स्तर, प्रशिक्षण की आवश्यकताओं, और प्रौद्योगिकी के प्रभाव पर आधारित था।

आंकड़ों का विश्लेषण –

एकत्रित किए गए आंकड़ों का विश्लेषण सांख्यिकीय और गुणात्मक दोनों तरीकों से किया गया है। इसमें शिक्षक के अनुभव, विचार, और प्रतिक्रियाओं की गहन समीक्षा की गई है।

इस शोध का मुख्य उद्देश्य यह जानना है कि एनईपी 2020 के तहत डिजिटल साक्षरता और प्रौद्योगिकी को शिक्षा के क्षेत्र में किस प्रकार प्रभावी तरीके से एकीकृत किया जा सकता है और इसके परिणामस्वरूप शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए क्या लाभ हो सकते हैं।

इस हेतु प्रश्नावली के माध्यम से आंकड़े एकत्रित करके उनका प्रतिशतीय विश्लेषण किया गया और निष्कर्ष निरूपित किये गये।

तालिका कमांक – 1

एनईपी 2020 और शिक्षा में डिजिटल साक्षरतारू शिक्षकों की धारणा पर आधारित सर्वेक्षण परिणाम

कमांक	प्रश्न/कथन	विकल्प			
1.	क्या आपको लगता है कि एनईपी 2020 के तहत डिजिटल साक्षरता शिक्षकों के लिए आवश्यक है?	हाँ	32	नहीं	8
2.	क्या आपके स्कूल में शिक्षकों को डिजिटल साक्षरता के लिए प्रशिक्षण प्राप्त है?	हाँ	15	नहीं	25
3.	क्या आपको लगता है कि शिक्षा में प्रौद्योगिकी का एकीकरण छात्रों के लिए फायदेमंद है?	हाँ	35	नहीं	5
4.	क्या आपको लगता है कि ग्रामीण विद्यालयों में प्रौद्योगिकी का उपयोग शहरी विद्यालयों की तुलना में कम प्रभावी है?	हाँ	36	नहीं	4
5.	क्या आप मानते हैं कि एनईपी 2020 के द्वारा शिक्षा में प्रौद्योगिकी का बढ़ता उपयोग शिक्षकों के पेशेवर विकास में मदद करेगा?	हाँ	31	नहीं	9
6.	क्या आपको लगता है कि शिक्षकों के लिए डिजिटल साक्षरता के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की कमी से शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होती है?	हाँ	34	नहीं	6
7.	क्या आपको लगता है कि प्रौद्योगिकी के एकीकरण से छात्रों के शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार हो सकता है?	हाँ	33	नहीं	7
8.	क्या आपने कभी महसूस किया है कि डिजिटल उपकरणों का उपयोग कक्षा में छात्रों के लिए रुचि बढ़ाने में मदद करता है?	हाँ	32	नहीं	8
9.	क्या आपके विद्यालय में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं?	हाँ	22	नहीं	18
10.	क्या आपको लगता है कि एनईपी 2020 के दिशा–निर्देशों के अनुसार शिक्षकों का डिजिटल प्रशिक्षण अनिवार्य होना चाहिए?	हाँ	29	नहीं	11

तालिका की व्याख्या

प्रस्तुत शोध सर्वेक्षण में शिक्षकों से डिजिटल साक्षरता, प्रौद्योगिकी का एकीकरण, और एनईपी 2020 (राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020) के प्रभाव के बारे में उनकी राय प्राप्त की गई। नीचे तालिका के प्रत्येक प्रश्न का विस्तृत विश्लेषण दिया गया है–

1. **एनईपी 2020 के तहत डिजिटल साक्षरता की आवश्यकता–**
   - 32 (80%) शिक्षकों का मानना है कि डिजिटल साक्षरता आवश्यक है।
   - 8 (20%) शिक्षकों का मानना है कि यह अनिवार्य नहीं है।
   - यह दर्शाता है कि अधिकांश शिक्षक डिजिटल कौशल को महत्वपूर्ण मानते हैं।
2. **शिक्षकों को डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण–**
   - केवल 15 (37.5%) शिक्षकों ने कहा कि उन्हें प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है, जबकि 25 (62.5%) ने इसे नकारा।
   - यह दर्शाता है कि शिक्षकों के लिए डिजिटल प्रशिक्षण की उपलब्धता कम है।
3. **शिक्षा में प्रौद्योगिकी का लाभ–**
   - 35 (87.5%) शिक्षकों का मानना है कि प्रौद्योगिकी का उपयोग छात्रों के लिए फायदेमंद है।
   - केवल 5 (12.5%) शिक्षकों ने इसे लाभकारी नहीं माना।
   - इससे स्पष्ट होता है कि शिक्षक प्रौद्योगिकी को सकारात्मक रूप में देख रहे हैं।
4. **ग्रामीण बनाम शहरी विद्यालयों में प्रौद्योगिकी प्रभाव–**
   - 36 (90%) शिक्षकों का मानना है कि ग्रामीण विद्यालयों में तकनीकी उपयोग कम प्रभावी है।
   - 4 (10%) ने इसे गलत माना।
   - यह अंतर तकनीकी संसाधनों की असमान उपलब्धता को दर्शाता है।
5. **एनईपी 2020 और शिक्षकों का पेशेवर विकास–**
   - 31 (77.5%) शिक्षकों का मानना है कि एनईपी 2020 से शिक्षकों के विकास में मदद मिलेगी।
   - 9 (22.5%) इससे सहमत नहीं हैं।
   - यह नीति में किए गए सुधारों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को दिखाता है।
6. **डिजिटल प्रशिक्षण की कमी और शिक्षा की गुणवत्ता–**

- 34 (85%) शिक्षकों का मानना है कि डिजिटल प्रशिक्षण की कमी से शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होती है।
- 6 (15%) इससे असहमत हैं।
- इससे स्पष्ट होता है कि अधिकांश शिक्षक मानते हैं कि डिजिटल प्रशिक्षण आवश्यक है।

7. प्रौद्योगिकी के एकीकरण से शैक्षिक प्रदर्शन में सुधार–

- 33 (82.5%) शिक्षकों का मानना है कि प्रौद्योगिकी से छात्रों के प्रदर्शन में सुधार हो सकता है।
- 7 (17.5%) इससे असहमत हैं।
- यह दर्शाता है कि शिक्षक तकनीकी संसाधनों के उपयोग को समर्थन देते हैं।

8. डिजिटल उपकरणों का उपयोग और छात्र रुचि–

- 32 (80%) शिक्षकों का मानना है कि डिजिटल उपकरणों से छात्रों की रुचि बढ़ती है।
- 8 (20%) इससे सहमत नहीं हैं।
- यह सुझाव देता है कि डिजिटल टूल्स कक्षा में प्रभावी हो सकते हैं।

9. विद्यालय में डिजिटल संसाधनों की उपलब्धता–

- 22 (55%) शिक्षकों का मानना है कि उनके विद्यालय में पर्याप्त संसाधन हैं।
- 18 (45%) शिक्षकों का मानना है कि संसाधनों की कमी है।
- यह दर्शाता है कि सभी विद्यालयों में समान रूप से संसाधन उपलब्ध नहीं हैं।

10. एनईपी 2020 के तहत डिजिटल प्रशिक्षण की अनिवार्यता–

- 29 (72.5%) शिक्षकों का मानना है कि डिजिटल प्रशिक्षण अनिवार्य होना चाहिए।
- 11 (27.5%) इससे असहमत हैं।
- यह इंगित करता है कि अधिकांश शिक्षक अनिवार्य डिजिटल प्रशिक्षण का समर्थन करते हैं।

निष्कर्ष–

- अधिकांश शिक्षक डिजिटल साक्षरता और प्रौद्योगिकी के एकीकरण को शिक्षा के लिए लाभकारी मानते हैं।
- हालांकि, शिक्षकों के लिए डिजिटल प्रशिक्षण की कमी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।
- ग्रामीण विद्यालयों में तकनीकी संसाधनों की कमी के कारण, वहाँ प्रौद्योगिकी का प्रभाव कम दिखता है।
- एनईपी 2020 द्वारा प्रस्तावित डिजिटल पहल को शिक्षकों का समर्थन प्राप्त है, लेकिन इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षण आवश्यक हैं।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

- भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय. (2020)। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020)। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार। https://www-education-gov-in/
- अग्रवाल, पी. (2021). शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन और शिक्षकों की भूमिका। नई दिल्लीः ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस।
- गुप्ता, एस., मिश्रा, आर. (2022). भारत में डिजिटल शिक्षाः शिक्षकों के लिए चुनौतियाँ और अवसर। भारतीय शिक्षा अनुसंधान परिषद (NCERT)।